

कभी तो गरीबों के घर आज्ञा माहामाई

ओ घेरा दुःख ने है पाया,
घेरा दुःख ने है पाया,
जान लबा उते आई, तू वि सुनी ना दुहाई,
हो तू वि सुनी ना दुहाई, माये सुनी ना दुहाई।

आँखों में आंसू भर के देते है दुहाई,
आँखों में आंसू भर के देते है दुहाई,
कभी तो गरीबों के घर आज्ञा माहामाई,
आँखों में आंसू भर के,
खो गया दुश्मन अपना ही साया,
क्यों तुमको हम पर रहम ना आया,
अब तो घटाए गम की,
हो... अब तो घटाए गम की ज़िन्दगी में छापी,
कभी तो गरीबों के घर आज्ञा माहामाई,
आँखों में आंसू भर के।

हाय ठोकर है, दिल टूट गया,
लगता है जहाँ ही रूठ गया,
हम जिसको बसाते उजड़ गयी,
माँ वो भी हम को लूट गया,
सब वैर यहाँ कोई गमखार ना,
अब तो किस दिन ही हमको ऐतबार माँ,
देके मोहब्बत हमने,
हो... देके मोहब्बत हमने नफरत ही पायी,
कभी तो गरीबों के घर आज्ञा माहामाई,
आँखों में आंसू भर के देते है दुहाई
कभी तो गरीबों के घर आज्ञा माहामाई
आँखों में आंसू भर के।

जग मतलब का, नहीं उससे गिला,
नफरत ही सही चल कुछ तो मिला,
पर तुम तो दया की देवी हो,
ना सोचा हमारा तुमने भला,
ये दुनिया रही दिन रात सता,
अब जाये कहाँ मैया तू ही बता,
तुमको निर्दोषी की माँ,
हो... तुमको निर्दोषी की माँ याद क्यों ना आयी,
कभी तो गरीबों के घर आज्ञा माहामाई,
आँखों में आंसू भर के देते है दुहाई,
कभी तो गरीबों के घर आज्ञा माहामाई,
आँखों में आंसू भर के देते है दुहाई,
कभी तो गरीबों के घर आज्ञा माहामाई

आँखों में आंसू भर के.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24203/title/kabhi-to-gareebo-ke-ghar-aaja-mahamayi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |